

CIR-100110/2010-Imidacloprid S.C(311)-3

इमिडैक्लोप्रिड 30.5 प्रति. एस. सी.

(अंतःप्रवाही एवं स्पर्शीय कीटनाशक)

यह एक अन्तरप्रवाही कीटनाशक है जिसमें इमिडैक्लोप्रिड सक्रिय तत्व है तथा बाकी निष्क्रिय और सहयोगी पदार्थ है। इसका प्रयोग इमारतों में दीमक की रोकथाम के लिए किया जाता है।

उपयोग

इसका प्रयोग इमारतों में दीमक तथा फसलों में अन्य कीड़ों के नियंत्रण के लिए नीचे दिये विवरण अनुसार किया जाता है:

(क) इमारतों:

इसका प्रयोग इमारतों में दीमक की रोकथाम के लिए निम्न प्रकार किया जाता है। निर्माण से पहले: रसायन के घोल का निर्धारित मात्रा में समान रूप से उपचार की सभी अवस्थाओं में प्रयोग करना चाहिये। निर्माण के बाद: रसायन के घोल का छिड़काव करना चाहिये।

चिनाई वाली नींव का उपचार

1. नींव के गड्ढों की निचली सतह और किनारे की दीवारों पर 30 से.मी. की दूरी तक 5 ली. प्रति वर्ग मीटर की दर से छिड़काव करें।
2. नींव के ढांचे के संपर्क में भराई की गई जमीन पर 7.5 ली. प्रति वर्ग मीटर की दर से दोनों तरफ छिड़काव करें।
3. आर0सी0सी0नींव का उपचार: जमीनी सतह के 50 से.मी. तक 5 ली. प्रति वर्ग मीटर की दर से छिड़काव करें।
4. प्लिन्थ की उपरी सतह का उपचार: प्लिन्थ की उपरी सतह की मिट्टी का फर्श बिछाने से पहले रसायन के घोल द्वारा 5 लि. प्रति वर्ग मीटर सतह की दर से उपचार करें।
5. इमारत के चारों तरफ बाहर की मिट्टी का उपचार: इमारत के चारों तरफ बाहरी दीवार के संपर्क में आने वाली मिट्टी को 15 से.मी. की दूरी पर 30 से.मी. की गहराई तक खो दें जिससे कि श्वुनियद की दीवार दिखाई दे। दवाई के घोल को दीवार के साथ-साथ 7.5 ली. प्रति वर्ग मीटर की दर से डालें।
6. इमारत के चारों तरफ के पट्टे के नीचे की मिट्टी का उपचार: श्वुनियद बिछाने से पहले मिट्टी की उपरी सतह पर दवाई का 5 ली. प्रति वर्ग मीटर की दर से छिड़काव करें।

भवन निर्माण के बाद:

1. इमारत के चारों तरफ बाहर की मिट्टी का उपचार: इमारत के चारों तरफ बाहरी दीवार के संपर्क में आने वाली मिट्टी को 15 से.मी. की दूरी पर 30 से.मी. की गहराई तक खो दें जिससे कि श्वुनियद की दीवार दिखाई दे। दवाई के घोल को दीवार के साथ-साथ 7.5 ली. प्रति वर्ग मीटर की दर से डालें।
2. फर्श के नीचे की मिट्टी का उपचार: फर्श में पड़ी दरारों से दीमक की रोकथाम के लिए फर्श के नीचे की मिट्टी का उपचार करना चाहिए। फर्श और दीवार के जोड़ पर 12 मिमि0 गोलाई के और 30 से मि0 गहरे छेद करें ताकि दवा मिट्टी तक पहुँच सके। दवा के घोल को 1 लिटर प्रति छेद की दर से डालें और छेद को बंद करें।
- 3- चीनाई करी दिवारों में रिक स्थानों का उपचार: चीनाई की गई दीवारों के धारा दीमक के फैलाव को रोकने के लिए प्लिन्थ दीवार के दोनों तरफ 30 सेमी0 के अंतराल पर 45 डिग्री के कोण पद छेद करें और दवा के घोल को पूरी तरह भरकर छेद को बंद कर दें।
- 4- डपर की मंजिलों का उपचार: यदि दीमक का फैलाव डपर की मंजिलों पर है तो जमीनी तल का डपर बताये गये तरीके से उपचार करें।

(ख) कृषि फसलें:

इसका उपयोग कपास के माहु, तेला व चुरदा तथा धान में भूरे पीठ के फुटकों व सफेद पीठ के फुटकों की रोकथाम के लिए 21-26.25 ग्र. स. त. हेक्टर (60-75 मि. लि. सारचना) की दर से 500-750 लीटर पानी में घोल कर किया जाता है। कपास का प्रतीक्षा काल 26 दिन तथा धान का 37 दिन है।

उपयोग के लिए निर्देश

इमिडैक्लोप्रिड 30.5 प्रति. एस.सी.(प्रिमाइस 350 ए.सी.) का प्रयोग 0.075 प्रति. सक्रिय तत्व अथवा 2.1 मि.ली. उत्पाद संरचना को 1 लीटर पानी घोलकर इमारत निर्माण के दौरान अथवा बाद में दीमकों की रोकथाम के लिए करना चाहिये। उपचार, आई.एस. 6313 (भाग -2) : 2001 निर्माण से पूर्व रासायनिक उपचार और आई.एस. 6313 (भाग-3):2001 पूर्व निर्मित भवनों का उपचार,पर आधारित होना चाहिए।

प्रयोग का समय

प्रयोगकर्ताओं के लिए सावधानियां

जहरीला। रखने में सावधानी बरतें। इसे न तो छुएं और न ही सांस भीतर जाने दीजिए। रसायन के रखने में रबर के दस्ताने और मुखौटा इस्तेमाल करें।

विष के लक्षण

विरक्त, मायटोगिनिया, कष्ट श्वास, कपकपी, मायोस्पास्म

प्राथमिक चिकित्सा

यदि कीटनाशक आंखों में गया है तो आंखों को तुरंत पानी से धो लें। विषवाधा की अवस्था में लगातार रक्त दाब एवं नाड़ी परीक्षण करते रहे। रक्त दाब का गिरना एवं वैडिकाडिया की संभावना होने के कारण कृत्रिम श्वसन एवं हृदय क्रिया को बनाए रखना आवश्यक है। अमाशय में गए विष को अमाशय की धुलाई एवं क्षारीय विरेचक के माध्यम से शरीर से बाहर निकालें।

पौधविशाकता

-

विष नाशक

कोई विशिष्ट विष निवारक ज्ञात नहीं है। डाक्टरों की सलाह के अनुसार उपचार करें।



खाली डिब्बों का निपटारा

1. खाली डिब्बों को जागवरो तथा इन्सान के रहनेवाली जगह से दूर नष्ट करें तथा जमीन में गाड़ दीजिए।
2. खाली डिब्बों को बाहर नें रखिये ताकि दुबारा इस्तेमाल न हो सके।
3. डिब्बे, बचा हुआ कीटनाशक तथा सफाई की सामग्रियों को सावधानी से एक तरफ फेंके ताकि वातावरण या पानी दूषित न हों।

संग्रहण की शर्तें

1. कीटनाशक को डिब्बे को अलग कमरे में रखिये तथा अन्य पदार्थों के रखने वाली जगह से दूर रखिये। कीटनाशक के संख्या तथा प्रकार के हिसाब से अलग तालाबन्द अलमारी में रखिये।
2. कीटनाशक रखनेवाला कमरा या जगह सूखी, हवादार, मजबूत, बनासद, शीतनीदार तथा बड़े आकार वाली होनी चाहिये तथा हवा दूषित न हो।

रासायनिक संरचना :

इमीडेक्लोप्रिड सक्रिय तत्व (100 प्रति. के आधार पर)	30.50 % भार/भार
इथाक्सीलेटेड डेरिवेटिव ऑफ स्टीरालेटेड फिनाल	1.50 % भार/भार
इथाक्सीलेटेड पालीमेथाक्राइलेट इन प्रोपाइलीन ग्लाइकोल एंड वाटर	4.50 % भार/भार
ट्राइहाइड्राक्सी प्रोपेन	10.00 % भार/भार
जैनथेन गम	13.00 % भार/भार
फिनाइल मिथाक्सी ग्लियेनाल	1.00 % भार/भार
मिथाइल आइसोथायोजोलोन और इसके क्लोरो डेरिवेटिव का मिश्रण	1.00 % भार/भार
पालीडाइमिथाइल सिलोक्सेन का पानी में घोल	1.00 % भार/भार
पानी (डीमिनरलाइज्ड)	पर्याप्त मात्रा % भार/भार
योग : 100.000% भार/भार	

निर्माता

"अंग्रेजी में लिखे गये अनुराग"

CIR-100110/2010-Imidacloprid S.C (311)-3

Imidacloprid 30.5% S.C

(Systemic and Contact Insecticide)

It is a systemic insecticide containing imidacloprid active ingredient, balance auxiliaries and inert material. It is used for control of termites in buildings.

Recommendation

It is used for control of termites in building as follows :

pre-construction: the chemical emulsion shall be applied uniformly at the prescribed rate in all the stages of treatment. hand operated sprayer or watering can should be used for application of chemical emulsion.

treatment of masonry foundations:

1. bottom surface and sides of foundation pits upto a height of 30 cm should be treated @5 ltr chemical emulsion per sq. mtr. of surface area.
2. back fill earth in immediate contact with the foundation structure should be treated @7.5 ltr. per sq. mtr. of the vertical surface of the substructure for each side.
3. treatment of rcc foundations: treatment should start at a depth of 50 cm below ground level @ 7.5 ltr. per sq.mtr.
4. treatment of top surface of plinth filling: the top surface of the consolidated earth within plinth walls shall be treated with chemical emulsion at the rate of 5 ltr/m² of the surface before the sand bed or sub-grade is laid.
5. soil treatment along external perimeter of building: earth along the external walls of the building should be rodded at intervals of 15 cm and to a depth of 30 cm exposing the foundation wall surface. chemical solution should be poured along the wall @ 7.5 ltr. per sq. mtr. of vertical surface.
6. treatment of soil under apron along external perimeter of building: top surface of the earth over which the apron is to be laid shall be treated with chemical solution @ 5 ltr per sq. mtr. of the vertical surface.

post construction:

1. soil treatment along external perimeter of building : earth along the external walls of the building should be rodded at intervals of 15 cm and to a depth of 30 cm exposing the foundation wall surface. chemical solution should be poured along the wall @ 7.5 ltr per sq. mtr of vertical surface.
 2. treatment of soil under apron along external perimeter of building: top surface of the earth over which the apron is to be laid shall be treated with chemical solution @ 5 ltr per sq. mtr. of the vertical surface.
 3. treatment of soil under floor: to prevent entry of termites from cracks, soil under floor should be treated. drill 12 mm holes at the junction of floor and wall at 30 cm interval to reach the soil below squirt the chemical solution @ 1 ltr per hole and seal.
 4. treatment of voids in masonry: the movement of termites through masonry walls may be restricted by drilling holes in masonry wall at about 45 degree angle preferably from both sides of the plinth wall at 30 cm interval and squirt the chemical in holes till refusal and seal the holes.
 5. treatment of upper floors: in case of infestation in upper floors, treat ground floor of the existing building as described above.
- (B) Agricultural Crops: It should be used for control of Jassids, Aphids & Thrips in cotton and brown plant hoppers and white backed plant hoppers on rice @ 21-26.25 gm a.i./ha @ 50-75 ml formulation in diluted in 500-750 lit water. Waiting period for cotton & rice is 26 & 7 days respectively.

Direction of Uses:

Imidacloprid 30.5% SC a.i. concentration of 2.1 ml shall be applied at the rate 0.075% product diluted in one liter of water for the control of termites during pre and post construction of building. The treatment should be as per IS 6313 (part-2):2001 pre constructional chemicals treatment and IS 6313(part-3):2001 in for post construction treatment.

Direction of Use

Imidacloprid 30.5 % SC shall be applied at 0.075% a.i. concentration i.e. 2.1 ml formulated product diluted in 1 litre of water for the control of termites in buildings during pre-construction. Treatment should be as per IS 6313 (Part-2) 2001 for pre-constructional chemical treatment

Time of Application

-

Precaution

poisonous. handle with care. do not touch or inhale the contents. while handling the contents use rubber gloves and face mask.

Symptoms Of Poisoning

apathy, myatonia, tremor, difficult breathing & myospasms.

First Aid

if the product gets into the eyes, rinse it out immediately with plenty of water. in case of poisoning measure blood pressure and pulse rate frequently. since bradycardia and drop in blood pressure may occur, artificial breathing and heart action are recommended. Eliminate the active ingredient through gastric lavage and saline laxatives.

Phytotoxicity

-

Antidote

There is no known specific antidote. follow attached directions. Treat symptomatically.

Disposal Of Used Container

1. the packages shall be broken and buried away from habitation.
2. the used packages shall not be left outside to prevent their re-use.
3. packages or surplus material and washings should be disposed off in safe manner so as to prevent environment or water pollution.

Storage Conditions

1. the packages containing the insecticide shall be stored in separate rooms or premises away from the rooms or premises used for storing other articles particularly articles or shall be kept in separate almirahs under lock and key depend upon the quantity and nature of the insecticides.
2. the rooms or premises meant for storing the insecticides shall be well built, well lit, dry, well ventilated and of sufficient dimension to avoid contamination with water vapour.

Chemical Composition:

Imidacloprid a.i.(on 100% basis)	30.50 % M/M
Ethoxylated derivative of styrylated phenols	1.50 % M/M
Ethoxylated polymethacrylate in propylene glycol and water	4.50 % M/M
Trihydroxy propane	10.00 % M/M
Xanthane Gum	13.00 % M/M
Phenyl methoxy methanol	1.00 % M/M
Blend of methyl Isothiazolone & its chloro derivative	1.00 % M/M
Water solution of Polydimethyl siloxane	1.00 % M/M
Water(demineralised)	Q.S. %
Total:	100.000% w/w

Manufactured By:

VMK Agro Chemicals Pvt. Ltd.,

131, Ellisbridge, Shopping Centre, Opp./ Town Hall, Ashram Road, Ahmedabad-380006 (Gujarat)

Ahmedabad, Ahmedabad, Gujarat

Manufacturer Premises :

Plot No.-830, G.I.D.C. Estate AT, Kerala, Tal. Bavta Dist. Ahmedabad-380008 (Gujarat)

where growth begins!